



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 15 मार्च, 2000/25 फाल्गुन, 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग

अधिसूचना

हमीरपुर, 3 मार्च, 2000

संख्या 2792—2841.—इस कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 5643-5702, दिनांक 24-5-99 की निरन्तरता में तथा हिमाचल प्रदेश जमाखोरी मुनाफाखोरी निरोधक आदेश 1977 की धारा 3(1) (ई) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं अनुराधा ठाकुर (भा० प्र० से०), जिला दण्डाधिकारी, हमीरपुर, जिला

हमीरपुर में मैठ बंगाणा गैस सविस्, बंगाणा के एल०पी०जी सिलेंडर 14.2 किलोग्राम नेट का अधिकतम विक्रय मूल्य हमीरपुर जिला के विभिन्न स्थानों के लिए निम्न प्रकार से निर्धारित करती हैं:—

क्रमांक	गैस एंजूसी का नाम	विस्तार बिन्दु व क्षेत्र का नाम	एल०पी०जी सिलेंडर की किस्म	तेल द्वारा निर्धारित मूल्य	विस्तार बिन्दु तक परिवहन भाड़ा	विस्तार बिन्दु पर कुल मूल्य
1	2	3	4	5	6	7
				₹० पै०	₹० पै०	₹० पै०
1.	मैठ बंगाणा गैस सविस् बंगाणा, जिला ऊना।	धनेटा ग्राम, पंचायत गवल पत्थर।	14.02	156.24	11.76	163.00

इन मूल्यों के सम्बन्ध में अन्य शर्तें उपरोक्त वर्णित अधिसूचना के अनुसार ही लागू होंगी।

यह अधिसूचना तुरन्त लागू मानी जाएगी।

आदेश द्वारा,

अनुराधा ठाकुर,

भा० प्र० से०,

जिला दण्डाधिकारी, हमीरपुर।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, ऊना
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

ऊना, 6 मार्च, 2000

संख्या पंच-ऊना (4) 193/84--503.--यह कि अंकेक्षण पत्र अवधि 4/94 से 3/99 के पैरा नं० 11 (ii) अनुसार आप द्वारा दिनांक 3-3-99 को पेशगी मु० 11,500/- ₹० बावत निर्माण कमरा प्राथमिक पाठशाला भियॉम्बो हेतु प्राप्त की गई थी तथा अंकेक्षण दिनांक 20-11-99 तक यह कार्य आरम्भ नहीं किया गया था और न ही इस पेशगी को वापस जमा पंचायत करवाया है।

अंकेक्षण पत्र के पैरा नं० 11 (iii) अनुसार आपने अपनी अक्तियों का दुरुपयोग करते हुए मानदेय भत्ता अप्रैल 2000 तक प्राप्त किया गया है जबकि मानदेय भत्ता सरकार से 12/98 तक ही प्राप्त हुआ था।

जिला पंचायत अधिकारी, ऊना के पत्र संख्या पंच-ऊना-अंक (6)-120/60-61 दिनांक 4-1-2000 (गंजीकृत) द्वारा आपको यह निर्देश दिए गए थे कि पेशगी मु० 11,500/- ₹० तथा इस पर ब्याज मु० 1380/- ₹० व मानदेय भत्ता की अधिक अदायगी मु० 6400/- ₹० तथा ब्याज मु० 1538/- ₹० 30 दिन

के भीतर-भीतर जमा ग्राम पंचायत सुकडियाल करें, परन्तु आप द्वारा आज दिनांक तक न तो राशि जमा करवाई गई है और न ही इस पत्र का कोई उत्तर दिया है। यह कि उप-प्रधान, ग्राम पंचायत, सुकडियाल ने हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम एवं उसके अधीन बनाये गये नियमों का उल्लंघन करते हुए, जमा निधि का दुरुपयोग किया है जो कि जनहित में नहीं है।

अतः मैं, मोहन लाल राठौर, जिला पंचायत अधिकारी, ऊना, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 145 व हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम 142 के अधीन निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री प्रकाश चन्द, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत, सुकडियाल, बिकान खण्ड, बंगाणा, जिला ऊना को कारण बताओ नोटिस जारी करता हूँ कि क्यों न उन्हें उक्त कृषकों के लिए उप-प्रधान के पद से निलम्बित किया जाए तथा यह भी आदेश देता हूँ कि इस नोटिस का उत्तर 15 दिन के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी, बंगाणा के माध्यम से इस कार्यालय में पहुँच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है इस लिए एकतरफा कार्यवाही कर दी जायगी।

ऊना, 6 मार्च, 2000

सं० पंच-ऊना (4) 216/92.—आपके विरुद्ध की शिकायतों की जांच उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक), अम्ब के आदेशों अधीन खण्ड विकास अधिकारी, गगरेट द्वारा पत्र सं० 3279, दिनांक 13-1-2000 द्वारा की गई है। जिसके प्रसंग में इस कार्यालय के पत्र सं० पंच-ऊना (4) 216/92-181, दिनांक 27-1-2000 (पंजीकृत) के अधीन आपसे स्पष्टीकरण खण्ड विकास अधिकारी, गगरेट के माध्यम से मांगा गया था जो कि इस कार्यालय में खण्ड विकास अधिकारी, गगरेट के कार्यालय पत्र सं० 4402 दिनांक 25-2-2000 पंजीकृत के अवलोकन करने पर यह पाया गया कि आप द्वारा दुरुपयोग की गई सभा निधि की राशि जमा पंचायत नहीं करवाई गई है। आप का उत्तर सन्तोषजनक नहीं है।

1. यह कि वर्ष 1996 में आपने गांव फतेहपुर स्थित सराये को गिराकर उसके सामान की निलामी कर मु० 22,106/- रु० राशि प्राप्त की थी यह राशि आपने दिनांक 7-7-99 तक न तो पंचायत फंड में जमा करवाई वन पत्र सं० 3 पर रसीद काटी गई है। आप द्वारा कब की गई ईंटों की प्रविष्टी भी स्टॉक रजिस्टर में नहीं करवाई गई। आप द्वारा वर्ष 1996 से 7-7-99 तक मु० 22,106/- का गबन किया गया पाया। जिसका 18 प्रतिशत ब्याज मु० 13,927/- रु० आपसे काबले बसूली बनती है। मु० 13,927/- रु० इस पत्र की प्राप्ति पर जमा निधि करवाकर इस कार्यालय को अवगत करवाएं, तथा आपने 3 1/2 वर्ष तक उक्त राशि अपने पास अवैध किन कारणों से रखी व अपना पक्ष स्पष्ट करें।

2. यह कि रास्ता निर्माण कार्य सर्वश्री सीता राम/हाकम सिंह आदि के कार्य हेतु खण्ड विकास अधिकारी, गगरेट द्वारा पंचायत को आज तक मु० 63,640/- रु० की राशि दी गई है, उक्त स्कीम का मुल्कांकन वनिष्ठ अभियन्ता विकास द्वारा किया गया, तो कार्य केवल मु० 33,211/- रु० का ही हुआ है। इस प्रकार आप द्वारा मु० 30429 रु० का गबन किया गया है। इससे पूर्व आप पर भारतीय दण्ड संहिता 409, 420 के अधीन मुकद्दमा दायर किया जाये आप को मौजा दिया जाता है कि आप मु० 30429/- रु० की राशि जमा पंचायत निधि कर इस कार्यालय को अवगत करवाएं।

3. यह कि खण्ड विकास अधिकारी, गगरेट द्वारा आपको महिला मण्डल भवन फतेहपुर व सराये निर्माण हेतु बाण्ड महल्ला के निर्माण हेतु क्रमशः मु० 20,000/- रु० व 15,000/- रु० की राशि दिनांक 10-10-96 तथा 7-4-99 को अनुदान के रूप में दी गई है। आप द्वारा स्कीमों का कार्य क्यों नहीं करवाया, कारण स्पष्ट कर।

यह कि उरोक्त तथ्यों के मध्य तत्पर रखते हुए प्रधान, ग्राम पंचायत भद्रकाली, ने हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम एवं उसके अधीन बनाया गया नियमों का उल्लंघन करते हुए सभा निधि का दुरुपयोग किया गया है। जो कि जनहित में नहीं है।

अतः मैं, मोहन लाल राडौर, जिला पंचायत अधिकारी ऊना, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 145 तथा हि० प्र० पंचायती राज स.मान्य नियम, 1997 के नियम 142 के अधीन निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीमती राम कुमारी प्रधान, ग्राम पंचायत भद्रकाली, विकास खण्ड गगरेट, जिला ऊना को कारण बताओ नोटिस जारी करता हूँ, कि क्यों न उन्हें उक्त कृत्यों के लिए प्रधान पद से निलम्बित किया जाए तथा यह भी आदेश देता हूँ कि सनोटिस का उत्तर 15 दिन के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी, गगरेट के माध्यम से इस कार्यालय में पहुँच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जावेगा कि उन्हें अपन पक्ष में कुछ भी नहीं कहा है, इसलिए एक तरफा कार्यवाही कर दी जाएगी।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
ऊना, जिला ऊना (हि० प्र०)।